चुल्लू-भर रह गया साफ पानी

चुल्लू-भर रह गया साफ पानी

पानी के घटते स्तर की कहानी
चुल्लू-भर रह गया साफ पानी।

कहती रह गयी दादी-नानी
बचाओ तो थोड़ा पानी,
सानिध्य जल का हमको मिला है
देकर जाओ कल की पीढ़ी को थोड़ा पानी।

धरा की यह प्यास बुझाता
इंसान भी प्यासा कहां रह जाता,
यह कहते-कहते हो गयी क्या बेईमानी
चुल्लू-भर रह गया साफ पानी।

जल का करना होगा दान
जब ही मिल सकेगा जल अपार,
कुएं तालाब बनाने होंगे हजार
तभी होगा जल अपार।

स्वच्छता का महत्व समझना होगा
जल है अनमोल इसको बचाने का
निश्चय करना होगा,
जल की स्वच्छता में हो रही आनाकानी
चुल्लू-भर रह गया साफ पानी।

निर्मलता जल की खो रही है
रासायनिक प्रदूषण से त्रासदी हो रही है,
पावन नदियां अपना अस्तित्व ढूंढ रही हैं
शुद्ध जल ढूंढे वो लालसा बची कहां है।

हो रही है प्रदूषित नदियां
आ रहा है भर-भर गंदा पानी
पीने के जल की हो रही हानि
चुल्लू-भर रह गया साफ पानी।

जल है प्यासे के संतोष का सबसे बड़ा स्रोत
करो संरक्षण वरना हो जाएंगे नष्ट स्रोत,
करते-करते हो गयी कैसी मनमानी
चुल्लू-भर रह गया साफ पानी

जल जीवन है

जल जीवन है, जीवन जल है
नभ से थल तक जल ही जल है।

काला, पीला, नीला, लाल जल है
मीठा, फीका, खारा अनेक प्रकार का जल है,
नदियों से मिलता, वर्षा से मिलता जल है
फिर भी पीने को कम क्यों मिलता जल है।
जल जीवन है, जीवन जल है।

कल के नये युग की पुकार जल है
पिछले जीवन का उधार जल है,
अगली पीढ़ी को देना ये जल है
जल वक्त की नहीं हमारी जरूरत जल है।
जल जीवन है, जीवन जल है।

बचाओ, ना वेस्ट करो आगे हमारी जरूरत जल है
आज बचेगा कल मिलेगा सबको चाहिए जल है,
जल हमारा कल ही नहीं, आज और कल भी जल है
देखना है कब तक मिलता जल है
जल जीवन है, जीवन जल है।

जल थल से कहीं खो रहा है
हमारा कल रो रहा है,
हमें इसे बचाना होगा
अपना कल खुद ही बनाना होगा।
जल जीवन है, जीवन जल है।

कल जब होगा जल
आप और हम जी सकेंगे
सिर उठाकर कह सकेंगे
जीवन का अभिन्न अंग जल है।
जल जीवन है, जीवन जल है।

संपर्क करें:
अंकित सिंह राणा
शाहदरा, दिल्ली-110032
मो.न. 9718174082